सुविचार कोई लक्ष्य बडा नही हारा , वही जो लडा नही l

डीजिटल संस्करण https://sbpatra.in पर उपलब्ध

सत्य का ब्रह्मास्त्र

स्वतंत्र बौद्धिकपत्र

सम्पादक-मधुसूदन शर्मा
सह सम्पादक-बृजेश कुमार शर्मा

वर्ष -२ अंक -६० सोमवार –२९/०९/२०२५ पृष्ठ – ४ प्रति सोमवार डीजिटल संस्करण

सम्पादकीय

युक्रेन को भारत का निमंत्रण l

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को भारत आने का न्योता देकर सरकार ने संकेत दिया है कि शांति समझौता कराने में नई दिल्ली सक्रिय भूमिका निभा सकती है। इस कदम का स्वागत होना चाहिए। रूस और यूक्रेन को अगर भारत बातचीत की मेज पर ले आता है, तो यह पूरी दुनिया के हित में होगा।

बातचीत ही रास्तारू पिछले साल अगस्त में नरेंद्र मोदी यूक्रेन जाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने थे। इससे पहले उन्होंने रूस की यात्रा की थी। दोनों जगह उन्होंने भारत का रुख स्पष्ट किया कि शांति बहाल होनी चाहिए, यह युद्ध का दौर नहीं है। हाल में अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन के बीच हुई शिखर वार्ता का भी भारत ने स्वागत करते हुए कहा था कि बातचीत व कूटनीति ही आगे बढ़ने का रास्ता है।

ट्रंप के दोबारा सत्ता संभालने से लेकर अभी तक, यूक्रेन युद्ध का समीकरण काफी कुछ बदल चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति चाहते हैं कि यह लड़ाई जल्द से जल्द खत्म हो। लेकिन, उनकी यह जल्दबाजी नीतियों में अस्थिरता के रूप में सामने आ रही है। कभी वह जेलेंस्की पर दबाव बनाने की कोशिश करते हैं, कभी पूतिन पर। हालांकि जब तक सहमति न बने, शांति थोपी नहीं जा सकती। इस मामले में भारत का नजरिया शुरू से संतुलित रहा है कि रूस और यूक्रेन, दोनों को शामिल किए बिना समस्या का हल नहीं निकाला जा सकता। यूक्रेन को लेकर ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन की पॉलिसी ने अमेरिका की साख को चोट पहुंचाई है, जबकि भारत ने शुरुआत से स्टैंड क्लियर रखा कि वह किसी के साथ नहीं, युद्ध के खिलाफ है। यूरोप और अमेरिका के दबाव डालने के बावजूद उसने किसी एक के पक्ष में खड़े होना नहीं चुना। यूक्रेन भी अब इस बात को मान रहा है कि भारत का रुख श्न्यूट्रलश नहीं, बल्कि वह शांति, कूटनीति और राजनीतिक संवाद का समर्थन कर रहा है।

टीम इंडिया ने नही ली एशिया कप ट्रॉफी - पाकिस्तान बोर्ड के चीफ खुद ट्रॉफी देने पर अडे,भारतीय खिलाडियों ने किया इनकार l

भारतीया ड्रेसिंग रूम में अपने सभी खिलाडियों के सपोर्ट स्टाफ के साथ होना ही मेरे लिए ट्राफि है- कप्तान

भारत ने नौवीं बार एशिया कप का खिताब जीत लिया है। जीत के बाद भारतीय टीम ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीबीसी) के चीफ मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। इस वजह से सेरेमनी शुरू होने में एक घंटा देरी हुई । नकवी के दबाव में भारतीय टीम को किसी अन्य ऑफिशियल से भी ट्रॉफी नहीं लेने दिया गया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने बिना ट्रॉफी के ही सेलिब्रेट किया। इस बीच, नकवी ने ट्रॉफी ग्राउंड से बाहर भिजवा दी कप्तान सूर्यकुमार यादव ने साथी

खिलाड़ियों के सामने खाली हाथ ही ऐसा जेस्चर बनाया मानों वे ट्रॉफी लेकर आ रहे हों। बाकी खिलाड़ियों ने भी इसे ही असली ट्रॉफी मानकर सेलिब्रेट किया। भारतीय कप्तान बोले– ऐसा पहली बार देखा – मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव से ट्रॉफी के बारे में सवाल पूछा गया। सूर्या ने कहा– जब मैं क्रिकेट खेल रहा हूं तब से पहली बार देखा कि चौंपियन टीम को ट्रॉफी नहीं दी गई। हमने बहुत मेहनत करके यह टूर्नामेंट जीता है। खैर कोई बात नहीं। भारतीय ड्रेसिंग रूम में अपने सभी खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के साथ होना ही मेरे लिए ट्रॉफी है।

युएन में विदेश मंत्री एस जयशंकर - पाक आंतक का सेंटर ,आंतकी ढाचे का खात्मा जरूरी , बडे आंतकी हमलो की जडे पाकिस्तान से जुडी l

युएन में विदेश मंत्री ने पहलगाव आंतकी हमले कि निंदा की , विदेश मंत्री ने युएन में स्थाई सदस्यों कि संख्या बढाने पर जोर दिया।

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार रात युएन महासभा युएनजीए को संबोधित किया। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की और पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि हमारा पड़ोसी आतंकवाद का सेंटर है। भारतीय विदेश मंत्री ने बताया कि वहां आतंकवादियों का खुलेआम गुणगान किया जाता है। दशकों से, बड़े अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी हमलों की जड़ें उसी देश तक जाती हैं। जयशंकर ने आतंकवाद की फंडिंग रोकने की मांग की। उन्होंने कहा कि आतंकी ढांचों का खात्मा जरूरी है। आतंकियों से लड़ाई हमेशा से भारत की प्राथमिकता रही है।

जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (युएनजीए) में सुधार की मांग करते हुए कहा कि युएन के सदस्य 4 गुना बढ़ गए हैं। अब स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़नी चाहिए। उन्होंने अपने भाषण में इंडिया की जगह भारत शब्द का इस्तेमाल किया।

लेह हिंसा

सोनम वांगचुक अरेस्ट , दो दिन पहले प्रदर्शनकारियों ने बीजेपी ओफिस फुँका,स्कुल कॉलेज बंद कर्फ्यू जारी।

उग्र हिंसा के बाद सोनम वांगचुक ने अनशन खत्म करा ।

लद्दाख के सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को शुक्रवार को अरेस्ट कर लिया गया। सरकार ने वांगचुक पर लेह में दो दिन पहले हुई हिंसा का जिम्मेदार माना था। हालांकि अभी यह पता नहीं चल पाया है कि उनकी गिरफ्तारी किस मामले में हुई है। वांगचुक की अरेस्टिंग के बाद लेह में इंटरनेट बंद कर दिया गया है। लेह में 24 सितंबर को हुई हिंसा के बाद से लगातार तीसरे दिन कर्फ्यू जारी है। स्कूल–कॉलेज शनिवार तक बंद हैं। लेह में पूर्ण राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़की थी। इसमें 4 युवाओं की मौत हुई थी। 80 घायल हो गए थे, इनमें 40 पुलिसकर्मी शामिल हैं। अब तक 60 आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं।

साऊत एक्टर विजय की रैली में भगदड , टीवीके नेताओं पर एफआईआर , पार्टी हाईकोर्ट मद्रास पहुँची

पार्टी का कहना है कि ये हादसा नही साजिश है मामले कि स्वतंत्र जाँच हो ।

एक्टर विजय की रैली में भगदड़ में रविवार को मरने वालों का आंकड़ा 40 तक पहुंच गया है। इनमें 16 महिलाएं और 10 बच्चे शामिल हैं। 95 लोग घायल हैं, 51 लोग आईसीयु में भर्ती हैं। मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम के नेताओं के खिलाफ पुलिस एफआईआर दर्ज कर ली है। उधर, पार्टी ने मद्रास हाईकोर्ट में इस मामले की जांच के लिए अपील की है। पार्टी ने कहा कि यह भगदड़ हादसा नहीं, साजिश है। हादसे के बाद गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार से मामले को लेकर रिपोर्ट मांगी है। एक्टर विजय ने पार्टी के एक्स हैंडल से एक पोस्ट किया है, जिसमें लिखा– कल करूर में जो हुआ, उसका दुख बयां करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। मैं मृतकों के परिजन को 20 लाख और घायलों को 2 लाख की मदद देना चाहता हूं। दरअसल, एक्टर विजय ने 2 फरवरी 2024 को टीवीके बनाई। विधानसभा चुनाव 2026 में उतरने की घोषणा की। इसके चलते राज्यभर में रैलियां कर रहे हैं।

जीरन हर्कियाखाल मार्ग पर नीलगाय से टकराकर बाईक सवार 60 वर्षीय व्यक्ति की मौत ।

व्यक्ति को उदयपुर ले जाते समय रास्ते मे हुई मौत

नीमच जिले के जीरन–हर्कियाखाल मार्ग पर शुक्रवार शाम एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। नीलगाय से टकराने के बाद वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिनकी उदयपुर रेफर के दौरान देर रात मृत्यु हो गई। जानकारी के अनुसार, नीमच के मूलचंद मार्ग निवासी जगदीश पिता मगरेलाल खटीक (60 वर्ष) अपनी दुकान बंद कर जीरन से नीमच लौट रहे थे। जीरन–हर्कियाखाल के बीच अचानक सड़क पर नीलगाय आ जाने से उनकी बाइक उससे टकरा गई और जगदीश गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। एम्बुलेंस और डायल 112 के पहुंचने से पहले ही पूर्व 100 डायल के ड्राइवर मनीष राठौर उन्हें अपने निजी वाहन से जीरन के शासकीय अस्पताल ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद जगदीश को नीमच रेफर किया गया। परिजनों ने उन्हें नीमच के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां देर रात तक उनका इलाज चला। स्थिति गंभीर होने पर परिजनों ने उन्हें उदयपुर ले जाने का फैसला किया, लेकिन रास्ते में ही जगदीश ने दम तोड़ दिया।

कई छात्राओ से योन उत्पीडन करने वाला चौतन्यानंद आगरा से गिरफ्तार।

चौतन्यानंद कई दिनो से फरार था, जिन पर 17 छात्राओं ने यौन उत्पीडन का आरोप लगाया ।

दिल्ली के वसंत कुंज स्थित श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट–रिसर्च के हेड स्वामी चौतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थसारथी को दिल्ली पुलिस ने 27 सितंबर की रात आगरा से गिरफ्तार किया। चौतन्यानंद पर कई छात्राओं के यौन उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगा है। चौतन्यानंद फरार था और उसकी आखिरी लोकेशन आगरा में मिली थी। दिल्ली पुलिस की कई टीमें लगातार छापेमारी कर रही थी। चौतन्यानंद को वसंत कुंज पुलिस स्टेशन लाया गया है, जहां पूछताछ जारी है। दिल्ली पुलिस ने चौतन्यानंद के पास से 2 फर्जी विजिटिंग कार्ड बरामद किए हैं। एक कार्ड में उसे संयुक्त राष्ट्र में स्थायी राजदूत और दूसरे में ब्रिक्स संयुक्त आयोग का सदस्य और भारत का विशेष दूत बताया गया है।

जम्मू-कश्मीर के सांबा में भारत पाक बॉर्डर के पास दिखा संदिग्ध ड्रोन

क्षेत्र बीएसएफ ने सर्चींग शुरू की

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने रविवार को जम्मू–कश्मीर के सांबा जिले में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर एक संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन की गतिविधि की सूचना मिलने के बाद तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी ड्रोन सुबह 6.30 बजे रामगढ़ सेक्टर के करलियान गांव के ऊपर मंडराता हुआ देखा गया, जिसके बाद वह गायब हो गया।

बीएसएफ के जवानों ने सीमा पार से हथियार या नशीले पदार्थ न गिराए जाने की पुष्टि के लिए गांव और आसपास के इलाकों में तुरंत तलाशी अभियान शुरू कर दिया।

डिजीटल संस्करण
https://sbpatra.in
पर उपलब्ध

सत्य का ब्रह्मास्त्र

स्वतंत्र बौद्धिकपत्र

स्वतंत्र बौद्धिक पत्र (समाचार पत्र)

https//:sbpatra.in

पर डिजिटल संस्करण उपलब्ध

YouTube

SWATANTRA BODDHIK PATRA

खबरों के लिए लोगिंन करे !

https://sbpatra.in/

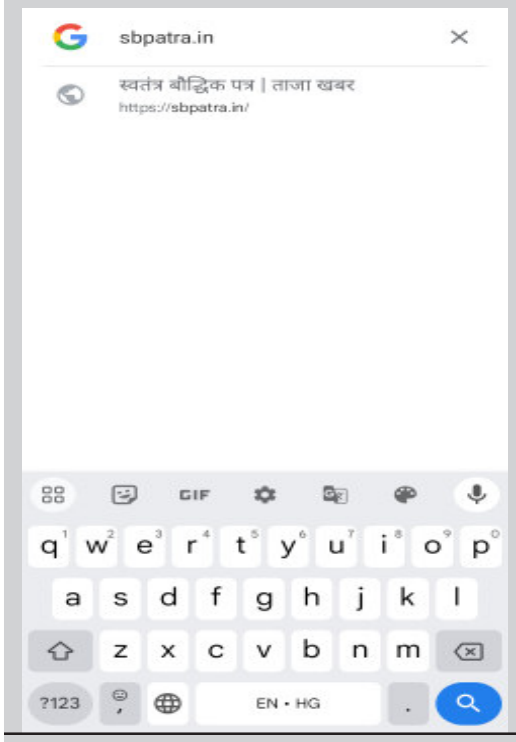

(1) गुगल सर्च करे - https://sbpatra.in/

(2) होम पेज पर केटेगिरी मे जाए

(3) ई-पेपर केटेगिरी चुने

(4) समाचार पत्र आपके सामने क्लिक करे !

नि:शुल्क ई-पेपर प्रति सोमवार को वेब पोर्टल https://sbpatra.in/ से डाउनलोड कर सकते है।

स्वतंत्र बौद्धिक पत्र (समाचार पत्र)

https//:sbpatra.in

पर डिजिटल संस्करण उपलब्ध